**भारत सरकार**

**इस्पात मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 160**

**04 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए**

**इस्पात संयंत्रों का विनिवेश**

**160. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों में देश में कुल इस्पात संयंत्रों की संख्या का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों में देश में इस्पात संयंत्रों की कुल क्षमता का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों में विनिवेश किए गए इस्पात संयंत्रों की राज्य-वार और वर्ष-वार संख्या और ब्यौरा क्या है;

(घ) विगत पांच वर्षों में राज्य-वार और वर्ष-वार निजीकरण किए गए इस्पात संयंत्रों की संख्या और ब्यौरा क्या है; और

(ड) ऐसे विनिवेश/निजीकरण के संयंत्र-वार क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क) और (ख): देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान मौजूद इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या के साथ उनकी क्षमता का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ग) और (घ): वर्ष 2019-20 से 2023-24 (आज तक की स्थिति के अनुसार) के दौरान इस्पात संयंत्रों के विनिवेश का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ड.): सरकार रणनीतिक विनिवेश तथा अल्प हिस्सेदारी की बिक्री के माध्यम से विनिवेश की नीति का अनुसरण करती है। रणनीतिक विनिवेश/बिक्री से तात्पर्य प्रबंधकीय नियंत्रण के हस्तांतरण के साथ-साथ पीएसई में सरकारी हिस्सेदारी की पूर्ण रूप से अथवा काफी हद तक ब्रिकी से है।

*****

**अनुलग्नक ।**

| राज्य | 2018-19 | | 2019-20 | | 2020-21 | | 2021-22 | | 2022-23 | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | इकाईयों की संख्या | क्षमता ('000 टन में) | इकाईयों की संख्या | क्षमता ('000 टन में)) | इकाईयों की संख्या | क्षमता ('000 टन में) | इकाईयों की संख्या | क्षमता ('000 टन में) | इकाईयों की संख्या | क्षमता ('000 टन में) |
| आंध्र प्रदेश | 27 | 8256 | 27 | 8391 | 25 | 8614 | 20 | 8512 | 26 | 9726 |
| अरुणाचल प्रदेश | 3 | 125 | 3 | 125 | 3 | 125 | 1 | 72 | 3 | 130 |
| असम | 8 | 205 | 6 | 131 | 6 | 131 | 8 | 163 | 6 | 147 |
| बिहार | 20 | 837 | 15 | 803 | 13 | 830 | 12 | 812 | 11 | 794 |
| चंडीगढ़ | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| छत्तीसगढ | 77 | 18064 | 79 | 18785 | 81 | 19191 | 95 | 20900 | 96 | 22771 |
| दादरा और नगर हवेली | 20 | 316 | 19 | 296 | 10 | 168 | 14 | 286 | 17 | 338 |
| दमन और दीव | 3 | 44 | 3 | 46 | 3 | 46 | 3 | 50 | | |
| दिल्ली | 2 | 16 | 2 | 16 | 2 | 16 | 2 | 16 | 1 | 7 |
| गोवा | 12 | 474 | 12 | 481 | 10 | 405 | 10 | 495 | 10 | 538 |
| गुजरात | 66 | 12646 | 59 | 12754 | 71 | 13688 | 75 | 13512 | 73 | 14008 |
| हरियाणा | 10 | 953 | 10 | 953 | 14 | 1037 | 15 | 1056 | 21 | 1097 |
| हिमाचल प्रदेश | 21 | 862 | 25 | 1139 | 25 | 1144 | 26 | 1740 | 27 | 2485 |
| जम्मू और कश्मीर | 8 | 189 | 8 | 189 | 8 | 189 | 8 | 189 | 8 | 213 |
| झारखंड | 65 | 19415 | 45 | 19707 | 31 | 19488 | 26 | 20506 | 27 | 21284 |
| कर्नाटक | 31 | 15180 | 29 | 15149 | 25 | 15261 | 26 | 14249 | 26 | 14249 |
| केरल | 35 | 535 | 29 | 480 | 29 | 480 | 27 | 473 | 28 | 490 |
| मध्य प्रदेश | 11 | 555 | 9 | 553 | 9 | 457 | 13 | 987 | 12 | 877 |
| महाराष्ट्र | 56 | 11791 | 55 | 11961 | 54 | 12030 | 62 | 18038 | 60 | 18134 |
| मेघालय | 7 | 185 | 5 | 181 | 5 | 181 | 6 | 201 | 7 | 236 |
| ओडिशा | 63 | 26417 | 53 | 25370 | 53 | 25330 | 57 | 24587 | 54 | 24677 |
| पुदुचेरी | 10 | 249 | 10 | 340 | 10 | 364 | 10 | 451 | 10 | 451 |
| पंजाब | 117 | 4800 | 119 | 4924 | 114 | 5064 | 117 | 5506 | 122 | 5960 |
| राजस्थान | 41 | 1286 | 36 | 1176 | 31 | 1005 | 28 | 933 | 30 | 1074 |
| तमिलनाडु | 102 | 3841 | 99 | 3766 | 91 | 3722 | 88 | 3744 | 103 | 3933 |
| तेलंगाना | 27 | 1205 | 26 | 1443 | 27 | 1605 | 27 | 2033 | 31 | 2248 |
| त्रिपुरा | 1 | 30 | 1 | 30 | 1 | 30 | 1 | 30 | 1 | 30 |
| उत्तर प्रदेश। | 46 | 1551 | 46 | 1617 | 46 | 1617 | 39 | 1606 | 43 | 2086 |
| उत्तराखंड | 37 | 1389 | 42 | 1559 | 39 | 1524 | 40 | 1512 | 40 | 1709 |
| पश्चिम बंगाल | 51 | 10820 | 42 | 9935 | 42 | 10172 | 45 | 11403 | 46 | 11607 |
| कुल | **977** | **142236** | **914** | **142299** | **878** | **143914** | **901** | **154062** | **939** | **161299** |

**स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)**

**अनुलग्नक ॥**

| वर्ष | पीएसई का नाम | राज्य (जहां पंजीकृत कार्यालय उपस्थित है) | विनिवेश की पद्धति |
|---|---|---|---|
| 2019-20 | मैंगनीज अयस्क इंडिया लिमिटेड (मॉयल) | महाराष्ट्र | शेयरों की पुनर्खरीद (बाईबैक) |
| 2020-21 | कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड (केआईओसीएल) | कर्नाटक | शेयरों की पुनर्खरीद (बाईबैक) |
| 2020-21 | राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) | आंध्र प्रदेश | शेयरों की पुनर्खरीद (बाईबैक) |
| 2020-21 | स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) | नई दिल्ली | बिक्री हेतु प्रस्ताव (ओएफएस) |
| 2021-22 | राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) | आंध्र प्रदेश | बिक्री हेतु प्रस्ताव (ओएफएस) |
| 2021-22 | मैंगनीज अयस्क इंडिया लिमिटेड (मॉयल) | महाराष्ट्र | शेयरों की पुनर्खरीद |
| 2022-23 | नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) | ओडिशा | रणनीतिक विनिवेश/निजीकरण |

**नोट:** एनआईएनएल एक संयुक्त उद्यम कंपनी थी, जिसमें 4 सीपीएसई अर्थात् मेटल एंड मिनरल्स ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एमएमटीसी), नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और मेटलर्जिकल एंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड (मेकॉन) और ओडिशा सरकार के 2 राज्य सार्वजनिक उपक्रम; अर्थात् (आईपीआईसीओएल) और ओडिशा माइनिंग कॉर्पोरेशन (ओएमसी) शेयरधारक थे। एनआईएनएल में भारत सरकार की कोई इक्विटी नहीं थी।